संस्कार सुरभि
हमारा प्यारा बाल संस्कार

सोचो जरा करो मन में विचार:

दिये गये अक्षरों से सही शब्द अथवा वाक्य बनाइये ।

१. **व द् म श्री ग ता भ द् गी**

उत्तर : श्रीमद् भगवद्गीता

२. **क का हे प्त र ना र ष शे थ ह्मी स्थि प्रा ति ब्रा र्य**

उत्तर : ब्राह्मी स्थिति प्राप्त कर कार्य रहे न शेष

जो बच्चे कमजोर हों वे:

१. चुकंदर (बीट) के टुकड़े-टुकड़े कर भोजन में या भोजन के बाद सेवन करें।

२. रात को किशमिश धोकर पानी में भिगो दें, सुबह उसका सेवन करें।

३. गाजर का रस (पीला हिस्सा निकाल दें) भी शरीर को पुष्टि देता है।

४. आँवला चूर्ण का घोल बनाकर पियें तो भी शरीर पुष्ट और बलवान होता है।

बुद्धि-परीक्षण :

ऐसा कौन-सा आसन, जो बीमारियाँ मिटाय है।
जो करे भोजन के बाद, पाचनतंत्र ठीक हो जाय है ॥

उत्तर : वज्रासन

युद्ध के मैदान में, भगवान दे रहे ज्ञान।
अर्जुन हुआ निर्दुःख, पाकर आत्मज्ञान ॥
इस युग में है सुलभ, कौन-सा ऐसा ग्रंथ ?
जिसका आदर-पूजन, करते विभिन्न पंथ ॥

उत्तर : श्रीमद् भगवद्गीता

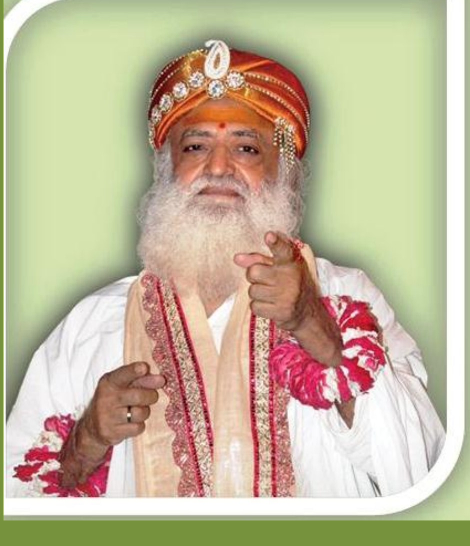

छोटी-सी युक्ति:

केन्द्र शिक्षकों के लिए :

✲ आपके कहने से ज्यादा आपके करने पर बच्चों का ध्यान रहता है, इसलिए आप जो करेंगे बच्चे धीरे-धीरे वैसा ही आचरण करेंगे । अतः बाल संस्कार केन्द्र शिक्षक इस पर पूरा ध्यान दें।

✲ बच्चों से अभद्र व अशिष्ट व्यवहार कभी न करें।

✲ शिक्षक का व्यवहार बच्चों के साथ मित्रवत् हो, ताकि बच्चा अपनी गलत बात भी निःसंकोच बता सके।

✲ कभी भी बच्चों का अनादर, तिरस्कार न करें, अन्यथा वे केन्द्र में आने में संकोच करेंगे।

संस्कार सुरभि

हमारा प्यारा बाल संस्कार

आओ मनायें गीता जयंती :

(६ दिसम्बर)

जयंती आपने अपने बाल संस्कार केन्द्र में कैसे मनायी ? इसका विवरण जयंती मनाने के बाद मुख्यालय अहमदाबाद में लिखकर भेजें । सर्वोत्तम आयोजन करनेवाले दस केन्द्रों को पुरस्कार दिये जायेंगे ।

विवरण भेजते समय निम्न जानकारी दें : केन्द्र शिक्षक का नाम, मोबाइल नं., वर्तमान पता, केन्द्र का कोड नं. व किस प्रकार आयोजन किया उसका उल्लेख करें । विवरण निम्न पते पर भेजें :

बाल संस्कार विभाग,
संत श्री आशारामजी आश्रम, अहमदाबाद-०५.
सम्पर्क : ०७९-३९८७७७४९, २७५०५०१०-११.

विवरण २५ दिसम्बर तक प्राप्त हो जाना चाहिए । परिणाम जनवरी माह के लोक कल्याण सेतु, अंक १७५ में प्रकाशित होंगे ।

विशेष तिथियाँ:

१० दिसम्बर : खग्रास चन्द्रग्रहण (ग्रहण- वेध : सुबह ९-१५ से, ग्रहण-समय : शाम ६-१५ से रात्रि ९-४८ तक) - इस दिन किये गये जप-ध्यान का फल लाख गुना होता है ।

८ जनवरी २०१२ : चतुर्दशी-आर्द्रा नक्षत्र योग (प्रातः ३-५५ से दोप. १२-४७ तक) - इस दिन ॐकार का जप अक्षय फलदायी है ।

सम्पर्क करें:-बाल संस्कार विभाग,
अखिल भारतीय श्री योग वेदांत सेवा समिति,
संत श्री आशारामजी आश्रम,अहमदाबाद
फोन नं-(०७९) ३९८७७७४९ , २७५०५०१०-११,
फैक्स नं- ०७९-३९८७७७७८, २७५०५०१२
Email: bskamd@gmail.com, Website : www.bsk.ashram.org